INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL BURAIDAH
WORKSHEET STD X
SAMAS

प्रश्न -१ – विग्रह करके समास का नाम लिखिए :-

चंद्रमौलि – चंद्र है मौलि पर जिसके (शिव) – बहुव्रीहि समास

भीमार्जुन – भीम और अर्जुन – द्वंद्व समास

विद्याधन – विद्या रूपी धन – कर्मधारय समास

भरपेट – पेट भर कर – अव्ययीभाव समास

कांतिहीन – कांति से हीन – अपादान तत्पुरुष समास

दुरुपयोग – दुर् (बुरा) है जो उपयोग – कर्मधारय समास

चौमासा – चार मासों का समाहार – द्विगु समास

आमरण – मरण तक – अव्ययीभाव समास

हथकड़ी – हाथों के लिए कड़ी – संप्रदान तत्पुरुष

अधपका – आधा है जो पका – कर्मधारय समास

धनुर्बाण – धनुष और बाण – द्वंद्व समास

मृगेंद्र – मृगों का राजा है जो अर्थात् सिंह – बहुव्रीहि समास

यथाविधि – विधि के अनुसार – अव्ययीभाव समास

त्रिलोक – तीन लोकों का समाहार – द्विगु समास

रातोंरात – रात ही रात में – अव्ययीभाव समास

दो-चार – दो या चार – द्वंद्व समास

पंचतत्व – पाँच तत्वों का समाहार – द्विगु समास

कमलनयन – कमल के समान नयन – कर्मधारय समास

रसोईघर – रसोई के लिए घर – संप्रदान तत्पुरुष

वीणापाणि – वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके अर्थात् देवी सरस्वती – बहुव्रीहि समास

ग्रंथरत्न – ग्रन्थ रूपी रत्न – कर्मधारय समास

आशुतोष – आशु (शीघ्र) संतुष्ट हो जाता है जो अर्थात् शिवजी – बहुव्रीहि समास

सूक्ष्माणु – सूक्ष्म है जो अणु – कर्मधारय समास

CamScanner
CamScanner
CamScanner

गृहप्रवेश – गृह में प्रवेश – अधिकरण तत्पुरुष
अठन्नी – आठ आनों का समाहार – द्विगु समास
यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार – अव्ययीभाव समास
हाथ-पाँव – हाथ और पाँव – द्वंद्व समास
सुलोचना – सुंदर हैं लोचन जिसके (स्त्री विशेष) बहुव्रीहि समास
मुँहमाँगा – मुँह से माँगा – अपादान तत्पुरुष समास
गुल्ली-डंडा – गुल्ली और डंडा – द्वंद्व समास
हँसमुख – हँसता हुआ है जो मुख – कर्मधारय समास
दोराहा – दो राहों का समूह – द्विगु समास
पद्मासना – पद्म (कमल) आसन है जिसका अर्थात् देवी सरस्वती – बहुव्रीहि समास
यथाकाल – काल के अनुसार – अव्ययीभाव समास
वृकोदर – वृक के समान उदर है जिसका अर्थात् भीम – बहुव्रीहि समास
जपमाला – जप के लिए माला – संप्रदान तत्पुरुष समास

प्रश्न – २ – समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए :-

देव और असुर – देवासुर – द्वंद्व समास
लोक की कथा – लोककथा – संबंध तत्पुरुष
तीन देवों का समूह – त्रिदेव – द्विगु समास
गिरि को धारण करने वाला – गिरिधर – बहुव्रीहि समास
लगाम के बिना – बेलगाम – अव्ययीभाव समास
वचन रूपी अमृत – वचनामृत – कर्मधारय समास
धर्म और अधर्म – धर्माधर्म – द्वंद्व समास
तीन हैं लोचन जिनके – त्रिलोचन – बहुव्रीहि समास
विदेश को गया – विदेशगत – कर्म तत्पुरुष समास
मति के अनुसार – यथामति – अव्ययीभाव समास
नौ रत्नों का समाहार – नवरत्न – द्विगु समास
परम है जो आनंद – परमानंद – कर्मधारय समास
हर एक द्वार – द्वार-द्वार – अव्ययीभाव समास
सूर द्वारा रचित – सूररचित – करण तत्पुरुष
हवन के लिए सामग्री – हवनसामग्री – संप्रदान तत्पुरुष

CamScanner
CamScanner
CamScanner